Nilam Rani
Lecturer
Home Science.
B.A Part-III. Hons.
Paper – पारिवारिक सम्बन्ध

परिवार की परिभाषा और उसकी विशेषताएँ

परिवार अंग्रेजी भाषा के शब्द फैमिली का [illegible] का हिन्दी पर्याय है। आधुनिक युग में परिवार शब्द का प्रयोग अनेक व्यापक अर्थ में किया जाता है। इसके अन्तर्गत परिवार के सभी व्यक्तियों की गणना की जाती है। इसकी परिभाषा को लेकर समाजशास्त्री विभाजित नहीं हैं। कुछ विद्वानों ने इसे व्यक्ति के रूप में तो कुछ संस्था के रूप में परिभाषित किया है। इसी तरह कुछ ने इसे समूह के रूप में तो कुछ ने सामाजिक इकाई के रूप में परिभाषित किया है। अतः परिवार की ऐसी परिभाषा देना जो स्पष्ट संक्षिप्त तथा सभी विशेषताओं से युक्त हो कठिन है। विभिन्न समाजशास्त्रियों ने परिवार की विभिन्न परिभाषाएँ दी हैं।

• इलियट व मैरिल के अनुसार "परिवार पति-पत्नी तथा उनके बच्चों की जैविक सामाजिक इकाई है परिवार को एक सामाजिक संस्था भी कहा जा सकता है यह समाज द्वारा मान्य वह संगठन है, जो निश्चित मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।"

मैकाइवर व पेज के अनुसार – "परिवार वह समूह है जो यौन-सम्बन्धों पर आधारित है और पर्याप्त रूप से सीमित इतना है कि सन्तानोत्पत्ति तथा पालन-पोषण

क्योंकि मैकाइवर ने ही सबसे अधिक बल यौन सम्बन्धों पर दिया है इस बात से कोई असहमत नहीं हो सकता कि परिवार का निर्माण स्वीकृत यौन सम्बन्धों के आधार पर ही होता है। कुछ इतिहासों में ऐसे उदाहरणों की बहुत मात्रा है जो यौन सम्बन्ध के ऐसे सम्बन्धों पति-पत्नी, माता-पिता तथा भाई-बहन के रूप में रहते होते न इसी तरह, परिवार अपने सदस्यों की और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति से सम्बन्ध एक आर्थिक संस्था और सामाजिक इकाई है।

उपर्युक्त सभी परिभाषाओं पर विचार करने से यह परिणाम निकाल कर कहा जा सकता है कि "परिवार स्वीकृत यौन सम्बन्धों से निर्मित एक ऐसी इकाई है जहाँ एक सम्बन्धित सदस्यों की जैविकीय तथा सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है। इस प्रकार परिवार पति-पत्नी, उनकी सन्तान, सम्बन्ध तथा एक रक्त सम्बन्ध वाले व्यक्तियों का संघ है, जो एक साथ रहते हैं, तथा विभिन्न परिस्थितियों में परस्पर सहयोग से कार्य करते हैं।

परिवार की विशेषताएँ — परिवार की विशेषताओं को दो भागों में बांटा जाता है।

(i) सामान्य विशेषताएँ (ii) विशिष्ट विशेषताएँ

सामान्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं —

1. विवाह द्वारा पति पत्नी सम्बन्ध
2. वैवाहिक सम्बन्ध
3. सन्तान की उत्पत्ति और उनके पालन-पोषण के लिए एक आर्थिक व्यवस्था
4. नाम या वंश परम्परा की व्यवस्था
5. सामान्य आवास व्यवस्था।

(ii) विशिष्ट विशेषताएँ — परिवार की सामान्य विशेषताओं के अतिरिक्त मैकाइवर एवं पेज ने इसकी आठ विशिष्ट विशेषताओं का भी वर्णन किया है। जो परिवार की प्रकृति को और भी स्पष्ट करती हैं —

Scanned with CamScanner

1. सार्वभौमिकता
2. संवेगात्मक और भावनात्मक आधार
3. निर्माणशील का रचनात्मक प्रभाव
4. सीमित आकार
5. सदस्यों का उत्तरदायित्व
6. समाज में केन्द्रिय स्थिति
7. परिवार का स्थायी एवं अस्थायी स्वभाव।
8. सामाजिक नियन्त्रण

Scanned with CamScanner